॥ श्रीः॥

चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला

33

योगेश्वरश्रीगोरक्षनाथप्रणीत

सिद्धसिद्धान्तपद्धति

('उमंग' हिन्दीटीकासहित)

अनुवादक

परमहंसस्वामी अनन्त भारती

(महामहोपाध्याय डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी)

चौखम्भा ओरियन्टालिया

प्राच्यविद्या, आयुर्वेद तथा दुर्लभ ग्रन्थों के प्रकाशक

दिल्ली (भारत)

University Department of Yoga RU
No/PGDY/...512.....
Library

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ
भूमिका	VII
प्रथम उपदेश	१
१. पिण्डोत्पत्तिः	१
२. परापिण्डोत्पत्तिः	८
अनाद्य पिण्ड के पाँच अधिष्ठातृ देव उनके कार्य	९
अनाद्यपिण्ड से आद्य पिण्ड पुरुष की उत्पत्ति	१२
महाभूत क्रमिक उत्पत्ति	१४
महासाकार पिण्ड की आठ मूर्त्ति (मृर्त्यष्टक)	१६
प्रकृति पिण्ड (नर-नारी) की उत्पत्ति	१७
अन्त:करण पञ्चक	१९
कुलपञ्चक	२१
शक्ति पञ्चक	२३
प्रत्यक्षकरण पञ्चक	२६
दश नाड़ियां के दश द्वार	२९
दश वायु	३१
स्थूल शरीर की उत्पत्ति क्रम	३३
पुरुषत्व आदि का हेतु	३५
युगल सन्तति की उत्पत्ति में हेतु	३५
द्वितीय उपदेशः	३७
१. नव चक्र निरुपण	३७
२. षोडश आधार	४२
३. लक्ष्यत्रय	४६

१. अन्तर्लक्ष्य ४७
२. बहिर्लक्ष्य ४८
३. मध्यम लक्ष्य ५०
४. व्योमपञ्चक ५१
५. अष्टाङ्ग योग ५३
१. यम का लक्षण ५३
२. नियम का लक्षण ५३
३. आसन का लक्षण ५४
४. प्राणायाम का लक्षण ५४
५. प्रत्याहार का लक्षण ५५
६. धारणा का लक्षण ५५
७. ध्यान का लक्षण ५६
८. समाधि का लक्षण ५६
तृतीयोपदेशः ५७
पिण्डसंवित्ति (पिण्डज्ञानी) ५७
व्यष्टि पिण्ड मे सात पाताल ५७
इक्कीस ब्रह्माण्ड ५८
चौसठ वर्ण ६३
सात द्वीप ६३
सात समुद्र ६४
नव खण्ड ६४
आठ कुलपर्वत ६४
नदियाँ ६५
सताईस नक्षत्र ६५
बारह राशियाँ, नव ग्रह, एवं तिथियाँ ६५

कुलनाग आदि ६६

स्वर्ग, नरक, बन्धन, मुक्ति ६८

चतुर्थ उपदेश: ६९

पिण्डाधार ६९

कुल एव अकुल की समरसता ७०

(क) कुलशक्ति ७०

(ख) अकुल शक्ति ७२

आज्ञावती परा शक्ति ७२

अनन्तशक्तिमान् शिव ७५

द्विविध कुण्डलिनी ७६

कुण्डलिनी से आकाशादि की उत्पत्ति ७८

मध्यशक्ति के प्रबोधन से परम पद ७९

कुण्डलिनी के तीन भेद ८३

१. ज्ञानप्रसारभूमि

२. मध्या शक्ति

३. स्थूल एवं सूक्ष्म कुण्डलिनी

ऊर्ध्व शक्तिनिपात ८३

पञ्चम उपदेश ८५

पिण्डपद समरसता ८५

परमपद ८५

सत्यपथप्रदर्शक गुरुदेव ८६

गुरु की कृपा से पिण्डों की समरसता ८८

निरुत्थानप्राप्युपाय ८८

योगी की वेशभूषा ९१

अन्य सिद्धियों की प्राप्ति ९२

योगमार्ग का वैशिष्ट्य ९३

हमारे अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशन

1. **तैत्तिरीयोपनिषद्।** समूलशंकरभाष्य एवं 'ज्योती' हिन्दी टीका सहित। व्याख्याकार श्री कन्हैयालाल जोशी
2. **छन्दःशास्त्रम्।** श्रीपिंगलनागविरचितं। श्री हलायुधभट्टविरचितया मृतसंजीव- व्याख्यया वृत्त्या समेतम् पं. श्री मधुसूदनविद्यावाचस्पति-रचित-छन्दो निषक्तिसनाथीकृत च। म.म.पं. श्री दुर्गाप्रसाद तनयेन पं. केदार-नाथेन संशोधितम् तच्च वि. अनन्तशर्मण विशल्यकरणी नाम्न्या टिप्पण्या समलंत्य संस्कृतम्।
3. **मृच्छकटिकम्।** कहाकवि शूद्रकप्रणीतं। पृथ्वीधरकृत व्याख्या सहित
4. **रघुवंशम्।** महाकविकालिदासविरचितं मल्लिनाथ कृत संजीविनी समेतम्। काशीनाथपाण्डुरंग पर्व इत्यनेन पाठान्तरैः संयोज्य संशोधितम्
5. **सरस्वतीकण्ठाभरणम्।** (अलंकारणशास्त्र) भोजकृत। 1-3 परिच्छेद तक रामसिंह विरचित टीका तथा परिच्छेद को जगद्धरचित टीका सहित
6. **रुपदीपिका।** रामानन्द द्विवेदिना विरचित
7. **वेणीसंहारम्।** भट्टनारायणप्रणीत। जगद्धरकृतया टिप्पण्या समेतम् उपोद्धात- शेषराज शर्मा
8. **उत्तरामचरितम्।** भवभूतिप्रणीतं। वीरराघवकृतया टीकया समेतम्। उपोद्धात-शेषराज शर्मा
9. **रीतिकालीन काव्यशास्त्र और पदुमनदास।** कुबेर राय
10. **रीतिकालीन लक्षण ग्रन्थों में भाषाभूषण का स्थान।** सावित्री श्रीवास्तव
11. **वैष्णव धर्म।** परशुराम चतुर्वेद सं. नर्मदेश्वर चतुर्वेदी
12. **सूरदास की प्रतिभा।** भगवतीप्रसाद राय
13. **कथासरित्सागर तथा भारतीय संस्कृति।** सिद्धनाथ प्रसाद
14. **अपभ्रंश और अवहट्टः एक अन्तर्यात्रा।** सं. शम्भूनाथ पाण्डेय
15. **संतसाहित्य।** राधेश्याम दूबे
16. **मणिपुरी नर्तन।** दर्शना झवेरी तथा कलावती देवी। भूमिका हरेकृष्ण मुखोपाध्याय एवं कपिलता वास्तायन
17. **मृत्यु-रहस्य।** वेणीराम शर्मा गौड़
18. **स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान।** (संगीतशास्त्र)। इन्द्राणी चक्रवर्ती। प्रस्तावना कु. प्रेमलता शर्मा
19. **उत्तररामचरित की शास्त्रीय समीक्षा।** (समीक्षा) सत्यनारायण चौधरी
20. **मध्यकालीन रामकाव्य धारा पर कृष्णभावना का प्रभाव।** तपेश्वर नाथ प्रसाद
21. **वैष्णव-संगीतशास्त्र।** घनश्याम विरचित। रागरत्नाकर, गीतचन्द्रोदयः, तालार्णवः तथा श्री श्री भक्तिरत्नाकरः (पञ्चमतरंग का संगीतांश)। संस्कृत तथा हिन्दी अनुवाद। अनुवादक गजाननरानडे शास्त्री तथा मदनलाल व्यास सम्पादक गुरुविपिन सिंह प्रस्तावना दर्शना झवेरी। 1-2 भाग सम्पूर्ण
22. **कविकर्णपूर और उनके महाकाव्य एक अध्ययन।** लेखिका डॉ कृष्णलता सिंह प्राक्कथन डॉ मातृदत्तत्रिवेदी
23. **शिवपुराण में वर्णित सभ्यता।** लेखक डॉ. राजकुमार पाठक
24. **प्राचीन भारत।** (आदिकाल 320 से 1206 ई. तक उपेन्द्र ठाकुर एवं महेश कुमार शरण 1-2 भाग सम्पूर्ण
25. **व्यंजनाप्रपंचसमीक्षा।** (तुलनात्मक प्रतीकतत्वविमर्शः) मुकुन्द माधव शर्मा
26. **विद्धशालभंजिका-नाटिका।** (नाटिका) राजशेखर प्रणीत। नारायण दीक्षित रचित संस्कृत व्याख्या, छिप्ति हिन्दी व्याख्या बाबूलाल शुक्ल शास्त्री सम्पादित।

CHAUKHAMBHA ORIENTALIA

POST BOX NO. 2206

Bungalow Road, 9 U.B., Jawahar Nagar, Delhi-110007 (India)

Phone : 011-23851617, 23858790

Email : chaukhambhaorientalia@gmail.com

Web : www.chaukhamhaorientalia.com